मोना
सहायक प्रोफेसर

महाराजा कॉलेज

वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा

बी 0 ए 0अर्थशास्त्र

बी 0 ए0 भाग-II

विषय : आर्थिक विकास में लघु उद्योग की भूमिका

आर्थिक विकास में लघु उद्योग की भूमिका

देश के विकास में लघु उद्योग क्षेत्र की एक बड़ी भूमिका है। भारतीय अर्थव्यवस्था में इसका योगदान औद्योगिक मूल्य संवर्धन का लगभग 40 प्रतिशत है।

यह अनुमान है कि लघु उद्योग क्षेत्र में निश्चित संपत्तियों में एक मिलियन रुपये का निवेश लगभग दस प्रतिशत अंकों के मूल्य संवर्धन के साथ 4.62 मिलियन मूल्य की वस्तुओं अथवा सेवाओं का उत्पादन करता है।

पिछले वर्षों में लघु उद्योग क्षेत्र का तेजी से विकास हुआ है। विभिन्न योजनावधियों के दौरान वृद्धि दर काफी प्रभावशाली रही है। लघु उद्योग इकाइयों की संख्या वर्ष 1980-81 में अनुमानित 0.87 मिलियन की तुलना में वर्ष 2000 में बढ़कर 3 मिलियन हो गई है।
जब इस क्षेत्र के निष्पादन को संपूर्ण निर्माण और औद्योगिक क्षेत्र की वृद्धि की तुलना में देखा जाता है तो लघु उद्योग क्षेत्र के लचीलेपन में विश्वास जमता है।

1. छोटे पैमाने पर उद्योग रोजगार प्रदान करते हैं**:**

i) एसएसआई (SSI) श्रम गहन तकनीकों का उपयोग करता है। इसलिए, यह बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार के अवसर प्रदान करता है। इस प्रकार, यह बेरोजगारी की समस्या को काफी हद तक कम करता है।

ii) एसएसआई (SSI) कारीगरों, तकनीकी रूप से योग्य व्यक्तियों और पेशेवरों को रोजगार प्रदान करता है। यह भारत में पारंपरिक कला में लगे लोगों को रोजगार के अवसर भी प्रदान करता है।

iii) एसएसआई (SSI) ग्रामीण क्षेत्र और असंगठित क्षेत्र के लोगों के रोजगार के लिए जिम्मेदार है।

iv) यह भारत में कुशल और अकुशल लोगों को रोजगार प्रदान करता है।

v) एसएसआई (SSI) के लिए रोजगार पूंजी अनुपात अधिक है।

2. यह महिलाओं के सशक्तिकरण में मदद करता है**:**

यह भारत में महिलाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करता है।

यह महिलाओं के बीच उद्यमशीलता कौशल को बढ़ावा देता है क्योंकि महिला वर्ग को विशेष प्रोत्साहन दिया जाता है

3 . यह क्षेत्रीय संतुलित विकास को बढ़ावा देता है**:**

i) एसएसआई उद्योगों के विकेंद्रीकृत विकास को बढ़ावा देता है क्योंकि अधिकांश लघु उद्योग पिछड़े और ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित किए जाते हैं।

ii) यह ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों का औद्योगीकरण करके क्षेत्रीय विषमताओं को दूर करता है और संतुलित क्षेत्रीय विकास लाता है।

iii)यह भारत में शहरी और ग्रामीण विकास को बढ़ावा देता है।

iv)यह ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को रोजगार और आय प्रदान करके शहरों में भीड़, मलिन बस्तियों, स्वच्छता और प्रदूषण की समस्याओं को कम करने में मदद करता है।

v)यह भारत में उपनगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के जीवन स्तर में सुधार करने में मदद करता है।

vi) आय कुछ लोगों के हाथ में एकाग्रता के बजाय लोगों के बीच वितरण है। इससे आर्थिक विकास में संतुलित वृद्धि होती है।

4.स्थानीय संसाधनों के जुटाव में एसएसआई मदद करता है**:**

i) यह उद्यमियों की छोटी बचत, उद्यमशीलता की प्रतिभा आदि जैसे स्थानीय संसाधनों को जुटाने और उपयोग करने में मदद करता है, जो अन्यथा निष्क्रिय और अप्रभावित रह सकते हैं। इस प्रकार यह प्रभावी रूप से मदद करता है।

ii) यह पारंपरिक पारिवारिक कौशल और हस्तशिल्प को बढ़ावा देने का मार्ग प्रशस्त करता है। विदेशों में हस्तकला के सामानों की काफी मांग है।

iii) यह भारत में छोटे शहरों और गांवों में स्थानीय उद्यमियों और स्वरोजगार पेशेवरों की वृद्धि में सुधार करने में मदद करता है।

5.पूंजी के अनुकूलन के लिए एसएसआई प्रशस्त है**:**

i)एसएसआई को आउटपुट की प्रति यूनिट कम पूंजी की आवश्यकता होती है। यह छोटी अवधि के कारण निवेश पर त्वरित रिटर्न प्रदान करता है। लघु उद्योगों में पे बैक की अवधि काफी कम है।

ii) एसएसआई उच्च उत्पादन पूंजी अनुपात और उच्च रोजगार पूंजी अनुपात प्रदान करके एक स्थिर बल के रूप में कार्य करता है।

iii) यह ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे शहरों में रहने वाले लोगों को बचत जुटाने के लिए प्रोत्साहित करता है और उन्हें औद्योगिक गतिविधियों में शामिल करता है।

6. एसएसआई निर्यात को बढ़ावा देता है**:**

i) SSI को परिष्कृत मशीनरी की आवश्यकता नहीं है। इसलिए, मशीनों को विदेशों से आयात करना आवश्यक नहीं है। दूसरी ओर, छोटे स्तर के क्षेत्र द्वारा उत्पादित वस्तुओं की बहुत मांग है। इस प्रकार यह देश के भुगतान संतुलन पर दबाव को कम करता है।

ii) एसएसआई भारत से निर्यात के माध्यम से मूल्यवान विदेशी मुद्रा अर्जित करता है।

7. एसएसआई बड़े पैमाने पर उद्योगों को पूरा करता है **:**

i) एसएसआई बड़े पैमाने पर क्षेत्र के लिए एक पूरक भूमिका निभाता है और बड़े पैमाने पर उद्योगों का समर्थन करता है।

ii) एसएसआई बड़े पैमाने के उद्योगों के लिए भागों, घटकों, सहायक उपकरण प्रदान करता है और बड़े पैमाने पर इकाइयों के पास इकाइयों की स्थापना के माध्यम से बड़े पैमाने पर उद्योगों की आवश्यकताओं को पूरा करता है।

iii) यह बड़ी स्केल इकाइयों के सहायक के रूप में कार्य करता है।

8. उपभोक्ता की मांग को पूरा करता है**:**

i) SSI भारत में उपभोक्ताओं द्वारा आवश्यक उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला का उत्पादन करता है।

ii) एसएसआई माल की कमी के बिना उपभोक्ताओं की मांग को पूरा करता है। इसलिए, यह दैनिक उपयोग का सामान प्रदान करके एक मुद्रास्फीति विरोधी बल के रूप में कार्य करता है।

9. SSI सामाजिक लाभ सुनिश्चित करता है **:**

i) एसएसआई कुछ ही हाथों में आय और धन की एकाग्रता को कम करके समाज के विकास में मदद करता है।

ii) एसएसआई लोगों को रोजगार प्रदान करता है और स्वतंत्र जीवन यापन के लिए प्रशस्त करता है।

iii) यह लोकतंत्र और स्वशासन को प्रोत्साहित करता है।

10. उद्यमिता विकसित करता है**:**

i) यह समाज में उद्यमियों के एक वर्ग को विकसित करने में मदद करता है। यह नौकरी चाहने वालों को नौकरी के गोताखोरों के रूप में बाहर निकालने में मदद करता है।

ii) यह समाज में स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता की भावना को बढ़ावा देता है।

iii) यह पिछड़े क्षेत्रों और समाज के कमजोर वर्गों के विकास की सुविधा प्रदान करता है।

****